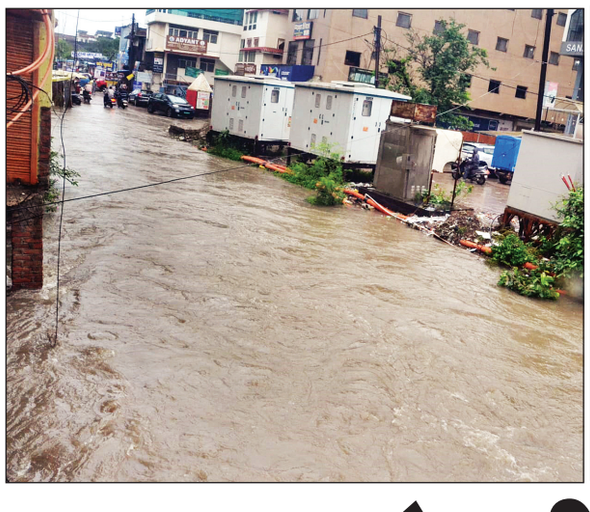
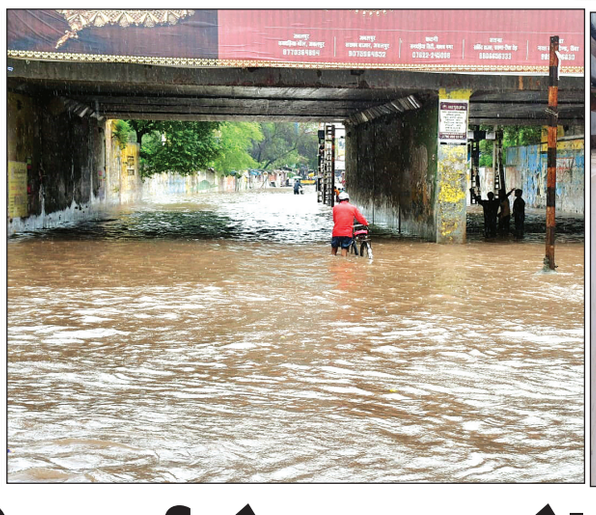
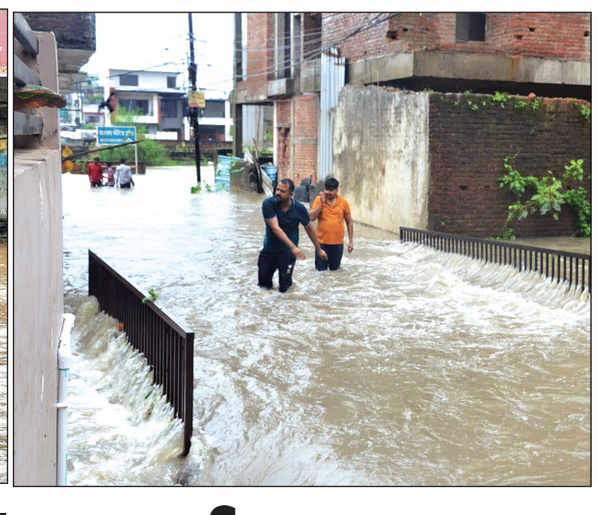
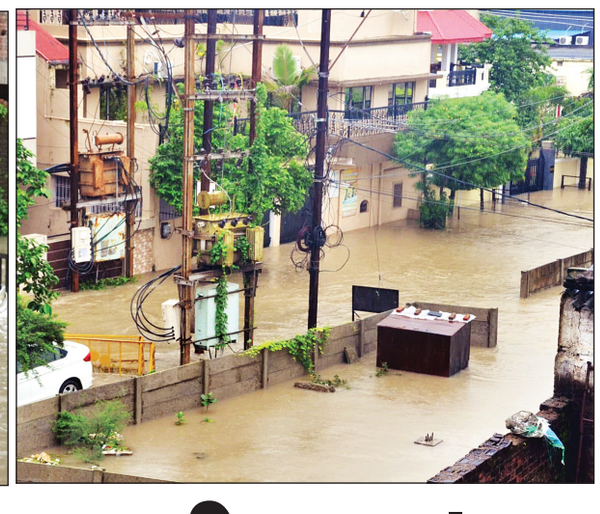

लगातार हो रही वर्षा ने शहर में बढ़ाई खण्ड प्रलय की आशंका

नदी-नाले उफनाकर सड़कों पर पहुंचे, घर-दुकानों में घुटनों तक पानी

नवभारत न्यूज

सतना,2 सितम्बर. वैसे तो शहर सहित जिले भर में पिछले पखवाड़े भर से अधिक समय से वर्षा का दौर जारी है. लेकिन मंगलवार की रात से जिस तरह लगातार बारिश हो रही है उसे देखते हुए खण्ड प्रलय की आशंका मंडराने लगी है. नदी-नाले के उफनाने से एक ओर जहां जिले के कई गावों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है वहीं दूसरी ओर शहर में कई प्रमुख क्षेत्र व मार्ग जल भराव से बुरी तरह प्रभावित नजर आने लगे हैं.

मौसम कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर रात लगभग ढाई बजे से शुरु होकर बुधवार की शाम तक यानी तकरीबन 15 घंटे के अंतराल में शहर में 120 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है. इसके बावजूद भी लगातार बारिश का क्रम रुकने का नाम नहीं ले रहा है. इसी कड़ी में मौसम विभाग द्वारा समय समय पर अति भारी वर्षा का एलर्ट भी साझा किया जा रहा है. जिसे देखते हुए प्रशासन सहित आमजन की चिंताएं काफी बढ़ने लगी हैं. हलांकि प्रशासन-पुलिस, नगर निगम और एसडीआरएएफ सहित अन्य विभाग के लोग मैदान में उतरते हुए राहत कार्य जारी रखने के साथ ही स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. लेकिन प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात को लेकर है कि यदि वर्षा का क्रम ऐसे ही आगे भी जारी रहा तो गुरुवार को स्थिति संभालना खासा चुनौतीपूर्ण हो जाएगा. आलत यह है कि जैसे ही वर्षा का क्रम थोड़ा धीमा होता है वैसे ही लोग राहत की सांस लेने लगते हैं. लेकिन उसके कुछ देर बाद जैसे ही एक बार फिर से वर्षा आरंभ हो जाती है, वैसे ही लोगों की चिंताएं बढ़ने लग रही हैं.

यदि शहर की बात की जाए तो बुधवार की सुबह से लेकर शाम तक का समय लोगों के लिए काफी डरावना साबित हुआ. शहर के बरदाडीह, मयूर विहार, पन्ना नाका, उमरी, विराट नगर, सिविल लाइन, मास्टर प्लान, यातायात थाने से सटा निचना इलाका, राजेंद्र नगर, खूंथी, जवाहर नगर, रेलवे कालोनी, धवारी, प्रेम नगर, पग्रेम विहार कालोनी, कोतवाली चौक से लेकर जयस्तंभ चौक, स्टेशन रोड, लालता चौक, अस्पताल रोड से लेकर अस्पताल परिसर, पुष्पराज कालोनी, महात्मा गांधी मार्ग, जगतदेव तालाब रोड, खेरमाई रोड क्षेत्र, रीवा रोड, बस स्टैण्ड परिसर, बभनगवां, भरहुत नगर, सर्किट हाउस चौक से लेकर ननि कार्यालय व व्यंकट 2 विद्यालय सहित कई अन्य क्षेत्रों में जलभराव ने खण्ड प्रलय जैसी स्थिति पैदा कर दी. अंडर ब्रिज में जलभराव की स्थिति इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गई कि विधि महाविद्यालय के सामने से ही बैरीकेटिंग लगाकर रास्ते को बंद करना पड़ा. हलांकि जबरदस्त जल भराव की स्थिति के बावजूद भी किसी जनहानि की जानकारी सामने नहीं आई. लेकिन इसके चलते लोगों का नुकसान और मुसीबत कई गुना अधिक बढ़ गई.

सब स्टेशन भी डूबा-लगातारर हो रही वर्षा की तीव्रता की तस्दीक इसी बात से की जा सकती है कि शहर के बरदाडीह क्षेत्र में स्थित मप्रपूक्षेविविकंलि का उप केंद्र तक जलभराव का शिकार हो गया. जिसके चलते विद्युत सप्लाई को काटने के बाद जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचे और नुकसान का आंकलन किया. इसी कड़ी में शहर के कई स्थानों पर जल भराव की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर कुछ ट्रांसफार्मरों की विद्युत आपूर्ति रोक दी गई. इसके साथ ही कुछ क्षेत्रों में स्थित खंबों पर करेंट उतरने की शिकायतें भी सामने आईं.

पंप लगाकर निकाला पानी

महात्मा गांधी मार्ग पर जलभराव की स्थिति ने वहां पर मौजूद अस्थायी बाजार को संकट में डाल दिया. बाजार के अंदर भरते पानी से दुकानदारों का काफी सामान भीग गया. जिसके चलते मौके पर पहुंचे ननि अमले द्वारा पंप लगाकर वहां का पानी बाहर निकाला जाने लगा. यह बात और है लगातार हो रही वर्षा के कारण निकाले जाने के बावजूद पानी की आवक कम होने का नाम नहीं ले रही थी. वहीं शहर के निचली बस्तियों के रहवासी इतने खुश किस्मत नहीं थे कि उन्हें ननि की मदद मिल पाती. लिहाजा वे अपने-अपने घर व दुकानों को बचाने के लिए बर्तनों के जरिए लगातार पानी बाहर निकालते नजर आए.

तालाब की ओर मोड़ा पानी

खेरमाई सहित उससे संबंधित नालों के उफनाते ही शहर की पुष्पराज कालोनी क्षेत्र में तकरीबन 4 फीट से अधिक पानी भरना शुरु हो गया. नाले का पानी लोगों के घरों में घुसने लगा. स्थिति बिगड़ती देख ननि अमले द्वारा जगतदेव तालाब की मेड़ में एक गड्ढा करते हुए पानी का रुख उस ओर मोड़ दिया. हलांकि इस कवायद के चलते लोगों के घरों में पानी का बढ़ना रुक गया. लेकिन हो रही बारिश को देखते हुए लोग यह आशंका जताने लगे कि यदि तालाब में पानी भरते हुए मेड़ के उक्त गड्ढे को पार कर गया तो उल्टा तालाब का पानी ही उनकी बस्ती को डुबोना शुरु कर देगा.

आधा दर्जन घर गिरे

लगातार हो रही वर्षा का सबसे अधिक दुखद पहलू शहर के वार्ड क्र. 4 में जेपी रोड मटेहना क्षेत्र में तब सामने आया जब वहां पर मौजूद आधा दर्जन लोगों के घर गिर गए. हलांकि किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई, लेकिन छत उजड़ने के साथ ही उनकी ग्रहस्थी तबाह हो गई. वहीं दूसरी ओर भरहुत नगर में भाजपा कार्यालय के निकट नाले को पार कर रहा एक युवक बाइक समेत बह गया. यह तो गनीमत रही कि आस पास मौजूद लोगों ने फौरन रस्सी फेंकते हुए उसे सहारा दिया और फिर उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

सड़क पर आया भरहुत नाला

लगातार हो रही वर्षा के कारण जल भराव के लिहाज से शहर के सबसे अधिक संवेदनशील माने जाने वाले भरहुत नगर की स्थिति काफी भयावह होती नजर आने लगी. न सिर्फ क्षेत्र की लगभग सारी सड़क व गलियां पानी में डूब गईं बल्कि लोगो के घर व दुकानों में भी पानी घुसने लगा. जिसकी जद में भाजपा कार्यालय भी आ गया. वहीं कुछ देर बाद ही हालात उस वक्त हाथ से निकलते नजर आने लगे जब भरहुत नाला उफना कर सड़क पर बहने लगा. जिसे देख 10 वर्ष की भयावह यादें ताजा हो गईं. हलांकि गनीमत यह रही कि ननि अमले द्वारा फौरन ही निकासी के मार्ग को साफ करते हुए पानी निकालने की कवायद शुरु कर दी. जिसके कारण कुछ समय बाद ही स्थित सुधरती नजर आने लगी.

उफनते नाले में फंसी बोलेरो, ग्रामीणों ने बचाई लोगों की जान

नवभारत न्यूज

सतना, 2 सितम्बर. बिरसिंहपुर के बहेरा करौदी मार्ग पर बुधवार की शाम उस वक्त ग्रामीणों के बीच खलबली मच गई जब उन्होंने यात्रियों से भरी एक बोलेरो को उफनते नाले में फंसा देखा।

नाले के तेज बहाव के बीच फंसे यात्रियों का जैसे मौत से सामना होने लगा। मौत सामने देख यात्री भगवान से प्रार्थना करने लगे। वहीं दूसरी ओर बोलेरो की उफनते नाले में फंसा देख ग्रामीणों ने अपनी जान की परवाह किए बिना बचाव कार्य शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने देवदूत बनकर एक एक करके बोलेरो में फंसे सभी यात्रियों को बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जिसके बाद जेसीबी की मदद से बोलेरो को भी बाहर निकाल लिया गया।

अंडर पास में फंसी यात्री बस, सुरक्षित निकाले गए यात्री

नवभारत न्यूज

सतना 2 सितंबर. जिले के जैतवारा क्षेत्र में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब यात्रियों से भरी एक बस अंडर पास में फंस गई. जल भराव होने के कारण बस में सवार यात्रियों के बीच चीख पुकार मच गई.

हलांकि घटना होती देख आस के लोग मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य शुरु किया. लेकिन अंडर पास में पानी भर देख उनकी हिम्मत भी छूट गई. वहीं घटना की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी अजय सिंह परिहार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से बस में सवार यात्रियों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया. बताया गया कि बस में 2 दर्जन से अधिक यात्री सवार थे और अंडर पास में पानी भरा देख उन्होंने बस ले जाने से मना किया था. लेकिन इसके बावजूद भी चालक ने मानमानी करते हुए बस को अंडर पास के पानी में उतार दिया. नतीजतन कुछ दूर आगे जाते ही बस बंद होकर खड़ी हो गई. जिसकी वजह से यात्रियों की जान सांसत में फंस गई.

अतिवृष्टि के चलते दिनभर मैदान में डटा नगर निगम अमला

नवभारत न्यूज

सतना, 2 सितम्बर. लगातार वर्षा से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पन्न जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए डॉ.नागार्जुन बी.गौ?,आयुक्त नगर पालिक निगम सतना के नेतृत्व में निगम का अमला दिनभर मैदान में सक्रिय रहा।

शहर के अलग-अलग हिस्सों से जलभराव और जलनिकासी में अवरोध की सूचना मिलते ही निगम की टीमें जेसीबी, मशीनरी एवं आवश्यक संसाधनों के साथ मौके पर पहुंचती रहीं। कहीं नाले-पुलियों में फंसे पेड़, कचरा और मलबा हटाकर जलप्रवाह बहाल किया गया, कहीं बरसाती पानी की निकासी के लिए रास्ता बनाया गया तो कहीं घरों में भरे पानी को मशीनों की सहायता से बाहर निकाला गया। अतिवृष्टि के बीच जलनिकासी के साथ राहत कार्य भी समानांतर रूप से चलते रहे। निगम का तकनीकी अमला, जोनल टीमें, स्वास्थ्य विभाग, अतिक्रमण दस्ता, वर्कशॉप एवं मैदानी कर्मचारी अलग-अलग जिम्मेदारियां संभालते हुए शहर के विभिन्न हिस्सों में लगातार सक्रिय रहे। वार्ड क्रमांक 44 के बाईपास और आरएस कॉलोनी में जेसीबी से बरसाती पानी की निकासी के लिए रास्ता बनाया गया। भाजपा कार्यालय के पास, होटल प्रताप के सामने खेरमाई नाला तथा पुष्पराज कॉलोनी में भी जलनिकासी की कार्रवाई की गई।

सड़क किनारे खड़े ट्रक में घुसी कार, 1 की मौत

नवभारत न्यूज

सतना, 2 सितम्बर. मैहर जिले में बुधवार शाम नेशनल हाइवे 30 पर सड़क हादसा हो गया। कोतवाली थाना क्षेत्र के लखवार गांव के पास टमस नदी के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से एक कार जा घुसी।

हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए। इनमें से तीन को गंभीर चोटें आईं, जबकि दो बच्चों की हालत भी गंभीर बताई गई। बताया गया कि सभी लोग हैदराबाद से उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में अपने घर जा रहे थे। हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल मैहर ले जाया गया। डॉक्टर ने शुरुआती इलाज के बाद गंभीर घायलों को आगे के इलाज के लिए सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों की पहचान वसीम (40), अयान (9), दानिश (3), हमीदा (30), सना (25) और मोहम्मद वारिस (35) के तौर पर हुई। ये सभी उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर के रहने वाले हैं। परिवार के सदस्य हैदराबाद में नौकरी करते थे और अपने घर सिद्धार्थनगर लौट रहे थे। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेफर होते ही दम तोड़ा-गंभीर रूप से घायल 35 वर्षीय वसीम की हालत खराब होने पर उसे सतना जिला अस्पताल रेफर किया जा रहा था, लेकिन उसकी मौत हो गई। वसीम का शव सिविल अस्पताल मैहर के शवगृह में रखा गया है। हादसे में घायल बाकी पांच लोगों को सतना जिला अस्पताल भेजा गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

अतिवृष्टि से प्रशासन की गतिविधियों से असंतुष्ट ग्रामीणजन : कमलू

नवभारत न्यूज

सतना, 2 सितम्बर. वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमलेन्द्र सिंह "कमलू" ने कोटर क्षेत्र के खमरिया, टेढगांवॉ, टिकरी, अकौना, मैनपुरा, इटौर, रजरवार, किचवरिया समेत अन्य गांवो में भ्रमण कर जलभराव से हुई व्यापक क्षति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

बाढ के तेज बहाव से सड़को, पुल-पुलियों एवं अन्य संरचनाओ का नुकसान हुआ है। लोगो के मकान क्षतिग्रस्त हुए जिससे कुछ परिवारो के पास भरण पोषण की सामग्री नष्ट हो गयी ऐसी विषम आपदा से क्षेत्रवासियो को अनेक कठिनाईयो का सामना करना पड रहा हैं। उन्होने लोगो से मुलाकात कर उनकी समस्याएँ सुनी और उनकी पीडा को निकट से महसूस किया।

जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मण्डल की बैठक स्थगित

सतना, 2 सितम्बर. जिला खनिज न्यास प्रतिष्ठान ''न्यास मंडल'' की बैठक कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में 3 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में आयोजित होने वाली बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है।

एक नजर में

प्रिज्म ने बढ़ाया मदद का हाथ

चित्रकूट/सतना। चित्रकूट क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड, मनकहरी ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए राहत सामग्री उपलब्ध कराई। प्रिज्म सीमेंट के प्रेसिडेंट (एचआरएम एंड कॉरपोरेट अफेयर्स,)डॉ. मनीष कुमार सिन्हा के निर्देशन में कंपनी द्वारा बाढ़ प्रभावित एवं पीड़ित परिवारों के लिए आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। राहत सामग्री वितरण में प्रिज्म सीमेंट की ओर से उप महाप्रबंधक सी एस आर देवेंद्र मिश्रा, प्रकाश पांडे ,कृष्ण चतुर्वेदी ,संजय सिंह परिहार ,प्रशांत सेन ने आम भूमिका निभाई और पीड़ित व्यक्तियों तक यह सामग्री उपलब्ध कराने में अपना सहयोग प्रदान किया।

बिरला सीएसआर ने उपलब्ध कराई राहत सामग्री

सतना. चित्रकूट क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता एवं राहत कार्यों में सहयोग के उद्देश्य से बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीसीएल) के सीएसआर विभाग के सहयोग से राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस राहत एवं सहायता कार्य में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर बीसीएल एडमिन हेड राघवेंद्र सिंह, बीसीएल सीएसआर से विजय चौबे, कुलदीप द्विवेदी एवं अमित सिंह उपस्थित रहे।

सघन स्वास्थ्य सर्वे एवं उपचार अभियान

सतना. अतिवृष्टि एवं बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सघन स्वास्थ्य सर्वे एवं उपचार अभियान चलाया जा रहा है।विगत दो दिनों से डॉ. मनोज शुक्ला पूरी स्वास्थ्य टीम के साथ चित्रकूट में रुककर राहत एवं स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार निगरानी कर रहे हैं, ताकि प्रभावित लोगों को तत्काल आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

सनातनी संस्कृति में अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

नवभारत न्यूज

सतना, 2 सितम्बर.भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार पूरे हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है.

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी पावन तिथि की आधी रात को रोहिणी नक्षत्र में भगवान विष्णु के आठवें अवतार के रूप में श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था.यह पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि अधर्म, अन्याय और अत्याचार के अंत का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक प्रतीक है.

द्वापर युग में जब मथुरा के क्रूर राजा कंस के अत्याचार चरम पर पहुंच गए थे, तब धरती को पाप मुक्त कराने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने देवकी और वासुदेव के आठवें पुत्र के रूप में कारागार में अवतार लिया.कंस के प्रकोप से बचाने के लिए जन्म के तुरंत बाद वासुदेव जी नवजात कान्हा को यमुना पार कराकर गोकुल में यशोदा और नंदबाबा के घर छोड़ आए, जहाँ उनका लालन-पालन हुआ.आगे चलकर श्रीकृष्ण ने कंस का वध कर प्रजा को उसके क्रूर शासन से मुक्ति दिलाई और धर्म की पुनर्स्थापना की. जन्माष्टमी का यह पर्व मानव जाति को निष्काम कर्म करने और बुराई के खिलाफ डटकर खड़े होने की प्रेरणा देता है.गीता में दिया गया उनका अमर उपदेश आज भी समाज को धर्म, न्याय और सत्य की राह पर चलने का मार्ग दिखाता है.

श्रीकृष्ण का पूरा दर्शन कर्म और संतुलन पर आधारित है.जन्माष्टमी के अवसर पर जब हम कान्हा की आराधना करते हैं, तो मूलतः हम उनके निष्काम कर्मयोग के सिद्धांत को नमन कर रहे होते हैं.आज की तनावग्रस्त पीढ़ी के लिए कृष्ण का संदेश सबसे अधिक प्रासंगिक है परिणाम की चिंता किए बिना सही दिशा में कर्तव्यपथ पर डटे रहना ही सच्ची जन्माष्टमी है.

डॉ.आरती पांडे
एपीएसयू रीवा

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य से देखें तो कृष्ण एक युगनायक हैं.उनका जीवन संघर्ष, लोक चेतना और सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण है.गोकुल के ग्वालों से लेकर महाभारत के रणभूमि तक, कृष्ण ने हमेशा आम जनमानस को संगठित किया.जन्माष्टमी वास्तव में जन-जन के नायक के लोक-उत्सव के रूप में स्थापित होने का पर्व है.

डॉ.अनुराग तिवारी
अमरपाटन कॉलेज

जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध एक दिव्य क्रांति का दिन है.द्वापर युग में जब समाज में आतंक और अराजकता चरम पर थी, तब श्रीकृष्ण का प्राकट्य हुआ.उनका जन्म हमें यह सिखाता है कि परिस्थितियां चाहे कारागार जैसी दुरूह क्यों न हों, सत्य और धर्म का जन्म हर बंधन को तोड़कर बाहर आता है.

डॉ चंद्र प्रकाश मिश्रा
एपीएसयू रीवा

श्रीकृष्ण का जीवन सामाजिक न्याय और समानता का सबसे बड़ा दस्तावेज है.जन्माष्टमी केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को जोड़ने का दिन है.एक राजकुमार का ग्वालों के साथ माखन बांटना और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मित्र बनाना यह दिखाता है कि कृष्ण ने समाज से ऊंच-नीच के भेद को खत्म किया.

प्रो. केके जायसवाल
एपीएसयू रीवा